

३. ग्रामदेवता

(पठनार्थ)

- डॉ. रामकुमार वर्मा

परिचय

जन्म : १५ सितंबर १९०५ सागर (म.प्र.)।

मृत्यु : १९९०

परिचय: डॉ. रामकुमार वर्मा आधुनिक हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध कवि, एकांकी-नाटककार, लेखक और आलोचक हैं।

प्रमुख कृतियाँ : वीर हमीर, चित्तौड़ की चिंता, निशीथ, चित्ररेखा आदि (काव्य संग्रह), रेशमी टाई, रूपरंग, चार ऐतिहासिक एकांकी आदि (एकांकी संग्रह) एकलव्य, उत्तरायण आदि (नाटक)।

पद्य संबंधी

कविता : रस की अनुभूति कराने वाली, सुंदर अर्थ प्रकट करने वाली, हृदय की कोमल अनुभूतियों का साकार रूप कविता है।

इस कविता में वर्मा जी ने कृषकों को ग्रामदेवता बताते हुए उनके परिश्रमी, त्यागी एवं परोपकारी किंतु कठिन जीवन को रेखांकित किया है।

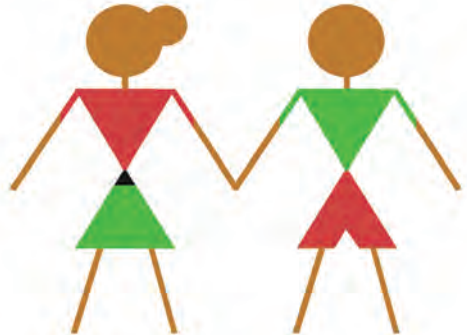
हे ग्रामदेवता नमस्कार !
सोने-चाँदी से नहीं किंतु
तुमने मिट्टी से किया प्यार
हे ग्रामदेवता नमस्कार !

जन कोलाहल से दूर
कहीं एकांकी सिमटा-सा निवास
रवि -शशि का उतना नहीं
कि जितना प्राणों का होता प्रकाश।

श्रमवैभव के बल पर करते
हो जड़ में चेतन का विकास
दानों-दानों से फूट रहे
सौ-सौ दानों के हरे हास।

यह है न पसीने की धारा,
यह गंगा की है धवल धार।
हे ग्रामदेवता नमस्कार !

जो है गतिशील सभी ऋतु में
गर्मी, वर्षा हो या कि ठंड,
जग को देते हो पुरस्कार
देकर अपने को कठिन दंड।



झोंपड़ी झुकाकर तुम अपनी
ऊँचे करते हो राजद्वार ।
हे ग्रामदेवता नमस्कार ! × × × ×

तुम जन-गन-मन अधिनायक हो,
तुम हँसो कि फूले-फले देश,
आओ, सिंहासन पर बैठो
यह राज्य तुम्हारा है अशेष ।

उर्वरा भूमि के नए खेत
के नए धान्य से सजे वेश,
तुम भू पर रह कर भूमि भार
धारण करते हो मनुजशेष ।

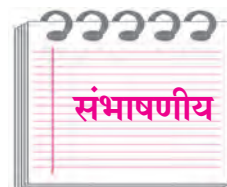
अपनी कविता से आज तुम्हारी
विमल आरती लूँ उतार
हे ग्रामदेवता नमस्कार !

श्रवणीय

ग्रामीण जीवन पर आधारित विविध
भाषाओं के लोकगीत सुनिए और सुनाइए ।



कविवर निराला जी की
'वह तोड़ती पत्थर'
कविता पढ़िए तथा उसका
भाव स्पष्ट कीजिए ।



'प्राकृतिक सौंदर्य का सच्चा
आनंद आँचलिक (ग्रामीण)
क्षेत्र में ही मिलता है', चर्चा
कीजिए ।



किसी ऐतिहासिक स्थल
की सुरक्षा हेतु आपके
द्वारा किए जाने वाले
प्रयत्नों के बारे में लिखिए ।



'किसी कृषक से प्रत्यक्ष वार्तालाप
करते हुए उसका महत्त्व बताइए :-

शब्द संसार

हास (पुं.) = हँसी
धवल (वि.) = शुभ्र
अशेष (वि.) = बाकी न हो
उर्वरा (वि.) = उपजाऊ
मनुज (पु.सं.) = मानव
विमल (वि.) = धवल

मुहावरा

आरती उतारना = आदर करना/स्वागत करना

कल्पना पल्लवन

'सबकी प्यारी, सबसे न्यायी मेरे देश की
धरती' इस पर अपने विचार लिखिए ।

पाठ से आगे

'ऑर्गेनिक' (सेंद्रिय) खेती की जानकारी प्राप्त
कीजिए और अपनी कक्षा में सुनाइए ।

रचना बोध